भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1325
उत्तर देने की तारीख 27 जुलाई, 2026
5 श्रावण, 1948 (शक)

धनुर्विधा खेल का संवर्धन

1325. श्री टी. आर. बालू:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या प्राचीन काल से धनुर्विद्या के महत्व के बावजूद सरकार द्वारा इसके संवर्धन और विकास को उचित प्राथमिकता नहीं दी जा रही है;

(ख) यदि हां, तो पिछले पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान इस प्राचीन खेल को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का धनुर्विद्या के ऐतिहासिक महत्व और युगकालिन प्रसिद्धि को देखते हुए इसे भारत का राष्ट्रीय खेल घोषित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या भारत द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक खेल, 2036 में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए सरकार ने कोई रणनीति बनाई है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) और (ख): किसी विशिष्ट खेल विधा के संवर्धन एवं विकास का उत्तरदायित्व संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ) का होता है। तीरंदाजी के मामले में यह उत्तरदायित्व भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) का है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) विभिन्न आयु वर्गों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान, उनके पोषण तथा विकास के लिए संचालित विभिन्न स्कीमों के माध्यम से भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) के प्रयासों का पूरक सहयोग प्रदान करते हैं। इन स्कीमों में निम्नलिखित शामिल है:

(i) राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता स्कीम;
(ii) खेलो इंडिया स्कीम;
(iii) राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई);

(iv) साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी);
(v) एसटीसी के विस्तार केंद्र; तथा
(vi) राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी), जिसमें इसकी उप-स्कीमें भी शामिल हैं।

राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता स्कीम के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से तीरंदाजी को "उच्च प्राथमिकता" श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। यह भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की खेल संवर्धन स्कीमों के अंतर्गत मान्यता प्राप्त खेल विधाओं में से भी एक है। इन स्कीमों के अंतर्गत चयनित खिलाड़ियों को अनुमोदित स्कीम मानदंडों के अनुसार आवास एवं भोजन, योग्य कोचों द्वारा प्रशिक्षण, खेल विज्ञान एवं चिकित्सा सहायता, खेल उपकरण, प्रशिक्षण अवसंरचना, खेल मैदान संबंधी सुविधाएँ, शिक्षा, प्रतियोगिताओं में भागीदारी का अवसर तथा अन्य संबद्ध सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत तीरंदाजी को प्राथमिकता प्राप्त खेलों में से एक के रूप में चिन्हित किया गया है । इसके अतिरिक्त, तीरंदाजी को 34 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्थापित खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्रों के अंतर्गत सहायता प्राप्त खेल विधाओं में शामिल किए जाने के साथ-साथ, देशभर में तीरंदाजी खेल विधा के लिए 55 खेलो इंडिया केंद्र तथा 21 खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियों को अधिसूचित किया गया है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2022 से खेलो इंडिया स्कीम के महिलाओं के लिए खेल (एसएफडब्ल्यू) घटक के अंतर्गत एशियाई खेलों एवं ओलंपिक खेलों की विधाओं में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत 15 राज्यों में तीरंदाजी की कुल 124 लीगों का आयोजन किया गया है।

(ग) जी, नहीं। वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(घ) ओलंपिक खेल 2036 सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारियाँ एक सतत एवं निरंतर प्रक्रिया हैं। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय खेल परिसंघ तथा भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ओलंपिक खेल 2036 सहित आगामी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीमों एवं खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और तैयारी के संबंध में परस्पर समन्वय से कार्य कर रहे हैं। प्रशिक्षण स्कीमें, प्रतियोगिता एक्सपोज़र तथा खेल विज्ञान संबंधी सहयोग एवं सहायता राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) और खेल विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार की गई हैं। सरकार द्वारा खिलाड़ियों को ओलंपिक खेल 2036 सहित आगामी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सक्षम बनाने के लिए सभी आवश्यक सहयोग एवं सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) के अंतर्गत भी खिलाड़ियों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप कस्टमाइज्ड प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है।

*****